अनुसूचित जाति किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में ICAR की पहल: के. वी. के. संगरिया में कृषि आदान वितरण

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अंतर्गत राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान (NRIIPM), राजपुर खुर्द, महरौली, नई दिल्ली द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए किसानों को कृषि आदानों का वितरण किया गया।

यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान) में आयोजित किया गया, जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के चयनित किसानों को उन्नत कृषि कार्यों को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न उपयोगी सामग्रियाँ प्रदान की गईं। इस अवसर पर किसानों को बैटरी चालित नेपसेक स्प्रेयर पम्प, तिरपाल, टॉर्च एवं जूट हैंड बैग वितरित किए गए। इन आदानों का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा कीट प्रबंधन एवं फसल सुरक्षा को मजबूत बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने किसानों को समेकित नाशीजीव प्रबंधन (IPM) के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि इन उपकरणों के उपयोग से वे अपनी फसलों को कीटों से सुरक्षित रख सकते हैं और उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की योजनाओं से अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायता मिलती है तथा उनकी कृषि उत्पादकता में सुधार होता है।

अतिथि वक्ताओं के रूप में डॉ. अजंता बिरह, प्रधान वैज्ञानिक (कीट विज्ञान); डॉ. राकेश कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कीट विज्ञान), राष्ट्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, राजपुर खुर्द, नई दिल्ली; डॉ. अनूप कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, हनुमानगढ़-1; डॉ. चंदर शेखर शर्मा, विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान); डॉ. उमेश कुमार, विषय वस्तु विशेषज्ञ (पादप संरक्षण); डॉ. कुलदीप सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (विस्तार शिक्षा); और श्री रघुवीर सिंह नैन, कार्यक्रम सहायक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में अनुसूचित जाति के 100 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कपास और धान में लगने वाले कीटों और रोगों के प्रबंधन पर गहन चर्चा हुई। उपस्थित किसानों ने इस पहल के लिए संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र
SNIPER
NEPTUNE